एनआईसी मध्यप्रदेश द्वारा विकसित प्रौढ़ शिक्षा मोबाइल एप का शुभारंभ

भारत सरकार ने 2030 तक शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने के लिए प्रौढ़ शिक्षा की नई योजना 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' शुरू होगी। योजना अंतर्गत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अलग-अलग सुझावों और सिफारिशों को लागू किया गया है।

केंद्र प्रायोजित नई योजना वर्ष 2021-22 से 2025-26 के बीच लागू की जाएगी। इस कार्यक्रम के दायरे में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से देश में 15 वर्ष व इससे अधिक आयु वर्ग के पांच करोड़ निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

नए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के पांच आयाम निम्नलिखित हैं-

1. बुनियादी साक्षरता
2. अंक ज्ञान
3. महत्वपूर्ण जीवन कौशल से जुड़ा ज्ञान
4. बुनियादी शिक्षा
5. व्यावसायिक कौशल विकास

मध्यप्रदेश में निरक्षरता उन्मूलन के लिये अभिनव पहल "मध्यप्रदेश राज्य प्रौढ़ शिक्षा ऐप "

राज्य में 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के प्रभावी क्रियांवन के लिये मध्य प्रदेश सरकार ने एनआईसी के सहयोग से एक डिजिटल प्लेटफार्म विकसित किया है|

स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार द्वारा एनआईसी मध्यप्रदेश द्वारा विकसित मध्य प्रदेश प्रौढ़ शिक्षा मोबाइल एप का शुभारंभ किया गया |

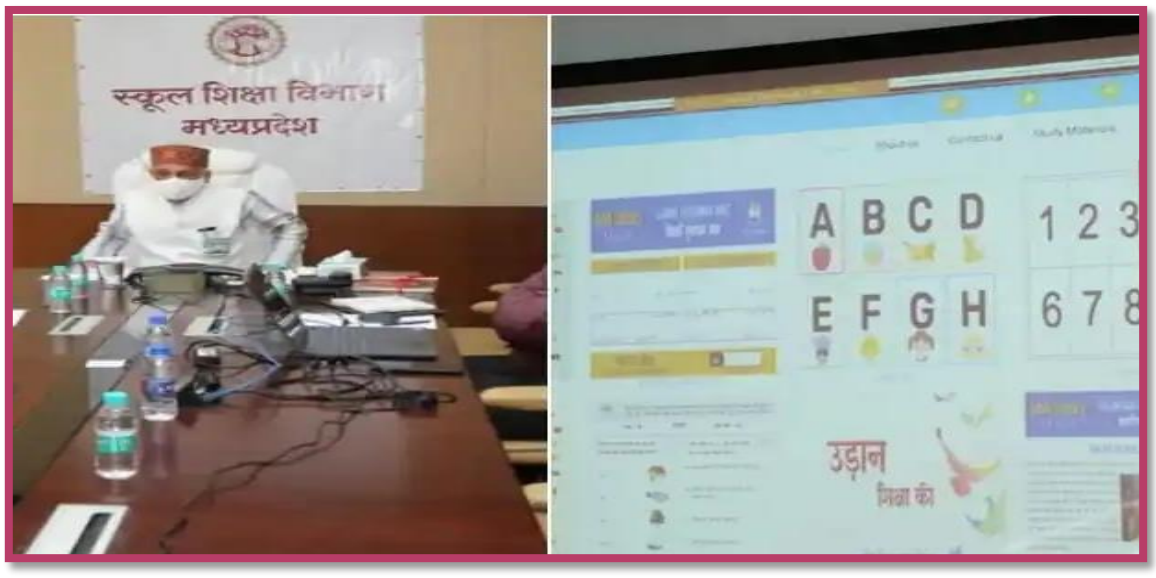

निरक्षरों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना सभी की जिम्मेदारीः परमार

पढ़ना-लिखना अभियान और प्रौढ़ शिक्षा मोबाइल एप का किया शुभारंभ

भोपाल (काप्र)।

निरक्षरों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना समाज में सभी की जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्ष 2030 तक युवा एवं प्रौढ़ साक्षरता दर को 100 प्रतिशत पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने में संस्थागत, व्यक्तिगत और सामाजिक संगठन से जुड़े सभी व्यक्तियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश में संचालित ''पढ़ना-लिखना अभियान'' और अप्रैल 2022 से प्रारम्भ होने वाले नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के संचालन के लिए प्रौढ़ शिक्षा मोबाइल एप का शुभारंभ किया। श्री परमार ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के निरक्षर व्यक्तियों की निरक्षरता उन्मूलन के लिए साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

राज्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा निरक्षरों को साक्षर करने हेतु मार्च 2022 तक पढ़ना-लिखना अभियान संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है और इसके पश्चात् यह कार्यक्रम नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के नाम से अप्रैल 2022 से 2027 तक संचालित होगा। श्री परमार ने दूरदराज के अक्षर साथियों से इस अभियान से जुड़ने और पंजीयन कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को एक साक्षर समाज के निर्माण में सरकार के अभियान में जुड़कर नए आत्म-निर्भर भारत के निर्माण में सहयोग देना चाहिए।

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र धनराजू एस ने बताया कि एप के माध्यम से जहाँ निरक्षरों का चिन्हांकन, सत्यापन और बुनियादी साक्षरता कक्षाओं का संचालन हो सकेगा वहीं अक्षर साथियों (पठन-पाठन कराने वाले स्वयंसेवक) को पठन-पाठन सामग्री मार्गदर्शिका उपलब्ध हो सकेगी। इसके अतिरिक्त निरक्षरों के मूल्यांकन परीक्षा प्रबंधन आदि कार्य भी हो सकेंगे। यह एप पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत एनआईसी के सहयोग से विकसित किया गया है। राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के सहयोग से बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित कर सफल नवसाक्षरों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएँगे। इसके साथ ही अक्षर साथियों को समय-समय पर उत्तम योगदान के लिए पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये जाएँगे। इस अवसर पर राज्य मंत्री को श्री धनराजू ने ड्रॉपआउट बच्चों के शाला प्रवेश की सफलता की कहानियों पर आधारित शाला का द्वार पुस्तक भेंट की।

साक्षरता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के अलीराजपुर, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों में सघन अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संगठनों, संस्थाओं और इच्छुक व्यक्तियों (जैसे- स्थानीय शिक्षक, सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी, स्थानीय शिक्षित व्यक्ति, एन. सी.सी., एन.एस.एस., स्काउट गाइड और शिक्षा महाविद्यालयों के प्रशिक्षणार्थी आदि) का सहयोग लिया जाएगा।

डिजिटल प्लेटफार्म का उद्देश

- ऐप के माध्यम से राज्य, जिला, विकासखण्ड, संकुल एवं वार्ड/ग्राम स्तर पर पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम का क्रियान्वय हो सकेगा।
- जनभागीदारी से शासन के सभी विभागों के कर्मचारी, अधिकारी एवं विद्यालय, महाविद्यालयों के छात्र/छात्राएँ, समाज के शिक्षित युवा सभी इस कार्यक्रम से जुड़ सकेगें। अक्षर साथी, (असाक्षर व्यक्ति को पढ़ाने वाले स्वयंसेवक) असाक्षरों को नवसाक्षर करने हेतु ऐप के माध्यम से स्वयं का रजिस्ट्रेशन कर सकेगें। जिसका सत्यापन क्षेत्र के शासकीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा किया जाएगा।
- मोबाइल ऐप के माध्यम से ही अक्षर साथी को पठन-पाठन सामग्री, प्रशिक्षण संदर्शिका आदि सामग्री तत्काल प्राप्त हो सकेगी। राज्य एवं जिला से प्रसारित निर्देश तत्काल सभी के पास पहुंचाये जा सकते हैं।
- ऐप के माध्यम से बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के नाम एवं परीक्षा परिणाम के साथ असाक्षर व्यक्ति को पढ़ाने वाले अक्षर साथियों को डिजीटल प्रमाण-पत्र भी जारी होगा।
- गतिविधि कैलेण्डर के अनुसार समय-समय कार्यक्रम की मॉनिटरिंग भी ऐप के माध्यम से की जा सकेगी।

संकलन - अंबुज जैन , वैज्ञानिक सी